उत्तर प्रदेश–बिहार सीमा विवाद

*276. **श्री चन्द्रिका प्रसाद :** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्वर्गीय प्रधान मंत्री नेहरू ने त्रिवेदी आयोग के प्रतिवेदन के आधार पर उत्तर प्रदेश-बिहार की स्थायी सीमा निर्धारित की थी और उस प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों को कार्यरूप देने वाले विधेयक से दोनों राज्य सहमत थे;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस निर्णय को क्रियान्वित न करने के परिणाम स्वरूप दोनों राज्यों की सीमा पर फसल काटने पर झगड़ा, हत्या तथा हिंसा की घटनायें हो जाना एक सामान्य बात हो गई है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि मार्च, 1967 के आरम्भ में बलिया (उत्तर प्रदेश) और शाहबाद (बिहार) सीमा पर हिंसात्मक घटनाएं होने के कारण चार व्यक्ति मारे गये थे और सैकड़ों व्यक्ति घायल हो गये थे जिसके परिणामस्वरूप दोनों ओर के निवासी अपने गाव छोड़ कर भाग गये और उनकी फसलों को लूटा जा रहा है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) : (क) उत्तरप्रदेश के बलिया जिले और बिहार के शाहबाद जिले के बीच वर्तमान सीमा गंगा नदी की गहरी धारा है। यह सीमा नदी की बदलती हुई धार के साथ-साथ परिवर्तित होती रहती है। श्री सी० एम० त्रिवेदी ने इस प्रश्न पर विचार किया था कि क्या इस सीमा के स्थान पर एक स्थिर सीमा निश्चित की जाये, और यदि हां तो वह सीमा क्या हो और एक स्थिर सीमा के बारे में सिफारिश भी की थी । इन सिफारिशों को स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने स्वीकार कर लिया था और इसके बाद संविधान के अनुच्छेद 3 के परंतुकों के अधीन दोनों राज्यों के विधान मंडलों को इन सिफारिशों के क्रियान्वय की दृष्टि से एक विधेयक भेजा गया। दोनों राज्यों के विधान मंडलों ने विधेयक के बारे में अपने विचार व्यक्त कर दिये हैं। संसद् के अगले अधिवेशन में इस विधेयक को प्रस्तुत करने का विचार है।

(ख) श्री त्रिवेदी के अपने सिफारिशें देने से पहले की सीमा के बदलते रहने के कारण दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में फसल काटने पर झगड़े हुये। ये झगड़े आम बात नही बन सके क्योंकि ये सिफारिशें क्रियान्वित नही हुई।

(ग) बिहार तथा उत्तर प्रदेश की सरकारों से प्राप्त सूचना के अनुसार अभी हाल ही में गंगा नदी के बिहार की तरफ वाले तट पर एक घटना हुई जिसमे तीन व्यक्ति मारे गये और कुछ घायल हुये। बिहार सरकार के कथनानुसार घायल व्यक्तियों की संख्या नही बताई गई किन्तु यह सैकड़ों में नही है । उत्तर प्रदेश की सरकार ने सूचित किया है कि दियारा क्षेत्र मे फूस के झोपड़ों में रहने वाले कुछ किसान इस घटना के बाद उस स्थान को छोड़ गये। दोनों राज्य सरकारों में से किसी ने भी फसल के लूटे जाने की सूचना नहीं दी।

बिहार में ईसाई धर्म-प्रचारकों की गतिविधियां

*277. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार के

सुखाग्रस्त क्षेत्रों में ईसाई धर्म-प्रचारक भूख से तड़पते हुये लोगों को प्रलोभन देकर उनका धर्म-परिवर्तन करने मे खूब व्यस्त हैं;

(ख) यदि हां, तो ईसाई धर्म-प्रचारकों ने पिछले तीन महीनों मे ऐसे कितने लोगों का धर्म-परिवर्तन किया है; और

(ग) इस प्रकार के अवैध धर्म-परिवर्तन को रोकने के लिये क्या कार्यवाही की गई है?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल): (क) सरकार के पास यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं कि ऐसा है।

(ख) एक धर्म से दूसरे धर्म मे होने वाले धर्म परिवर्तनों को पंजीकृत करने की व्यवस्था किसी कानून मे नहीं है। अतः इस बारे मे सूचना उपलब्ध नहीं है।

(ग) अवैध धर्म परिवर्तन का कोई मामला सामने नहीं आया।

Retrenchment in M/s. Braithwaite and Company, Calcutta

*278. **Shri Indrajit Gupta:** Will the Minister of **Labour and Rehabilitation** be pleased to state:

(a) whether the Labour Minister of West Bengal has approached him for taking suitable action to avert the threatened retrenchment of about 2,000 engineering workers of M/s. Braithwaite and Company, Calcutta, who are pleading reduction of railway wagon orders for taking such a course,

(b) whether he has taken up this matter with the Railway Board; and

(c) if so, the result thereof?

The Minister of Labour and Rehabilitation (Shri Hathi): (a) Yes.

(b) Yes.

(c) The matter is being examined in consultation with the Railway Ministry.

Engineering Concerns in Calcutta

*278-A. **Shri Indrajit Gupta:**
Dr. Ranen Sen:
Shri J. M. Biswas:

Will the Minister of **Labour and Rehabilitation** be pleased to state:

(a) whether Government are aware that several large-scale Engineering concerns in the Calcutta area propose to retrench a total of over 5,000 workers on the plea of shortage of Government orders, raw materials and components,

(b) whether any action has been taken in consultation with the Indian Engineering Association to enable such firms to work at full capacity and to avoid closures and lay-offs, and

(c) how far these signs of recession in the Engineering industry are the consequence of devaluation?

The Minister of Labour and Rehabilitation (Shri Hathi): (a) Reports have been received regarding retrenchment of some workers by the Engineering concerns in Calcutta area. The Government have also received a communication from the West Bengal Government that for want of orders for Railway Wagon one Engineering Company is likely to retrench about 2,000 workers.

(b) and (c) The matter is under examination.

C.B.I. Report on Former Orissa Ministers

*279. **Shri Surendra Nath Dwivedy:**
Shri Nath Pai:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether any official request has ever been made by the State Govern-